यूपीईएस में हिमालय की चुनौतियों पर मंथन

देहरादून, 12 सितम्बर (नवोदय टाइम्स) : यूपीईएस में आयोजित 'हिमालया कॉलिंग : ग्लोबल समिट ऑन चैलेंजेस एंड ऑपर्च्यूनिटीज इन द हिमालयन रीजन' में विशेषज्ञों ने हिमालय की चुनौतियों और उनके समाधान पर मंथन किया। यह तीन दिवसीय सम्मेलन 9 से 11 सितंबर तक चला, जिसमें कई महत्वपूर्ण सत्र आयोजित किए गए।

कार्यक्रम में हिमालय की कमजोर होती पारिस्थितिकी पर केंद्रित प्रदर्शनी और फोटोग्राफी का प्रदर्शन भी हुआ। इस सम्मेलन में 170 से अधिक विशेषज्ञ, विचारक और पर्यावरणविद शामिल हुए, जिन्होंने 18 सत्रों में भाग लिया। इन सत्रों में हिमालय के पारिस्थितिकी तंत्र को सुरक्षित रखने, जलवायु परिवर्तन से निपटने और संरक्षण के उपायों पर गहन चर्चा की गई।

सम्मेलन की शुरुआत 9 सितंबर को 'हिमालयन एनवायरनमेंट : संरक्षण की जरूरत' विषय पर पद्मश्री डॉ. शैलेश नायक के संबोधन से हुई। इसके बाद के सत्रों का संचालन पद्मश्री डॉ. अनूप साहू, श्रीश्त कपूर और प्रो. नूबे ब्रूबेन ने किया। जिन्होंने हिमालय में स्थिरता के महत्व पर जोर दिया। यूपीईएस के कंडोली और बिधोली कैंपस में फोटोग्राफी प्रदर्शनी भी आयोजित की गई, जिसमें हिमालय की अद्भुत सुंदरता के साथ-साथ पर्यावरण की चुनौतियों के प्रति जागरूकता बढ़ाई गई।

इस आयोजन में हिमालय के 200 से अधिक स्थानीय उत्पादों का प्रदर्शन और बिक्री भी की गई। इनके अलावा पद्मश्री डॉ. बीसी ठाकुर, डॉ. वीरेंद्र के पांडे, पद्म भूषण डॉ. अनिल पी जोशी, डॉ. दुर्गेश पंत, यूपीईएस के प्रेसिडेंट डॉ. सुनील राय और कुलपति डॉ. राम शर्मा ने प्रतिभागियों को संबोधित किया।